

## 1. वाहन चालक

एक बार एक वाहन चालक को पुलिस ने रोका। वह एक अच्छा वाहन चालक था और जहाँ तक उस की समझ थी उस ने कोई गलती नहीं करी थी।

पुलिस अधिकारी ने उस से कहा, “मैंने तुम्हें इसलिये रोका क्योंकि तुम गाडी को 55 मीटर प्रति घण्टे की रफतार से चला रहे थे, जबकी यह पाठशाला का क्षेत्र है। तुमने दस चेतावनियों को अनदेखा कर दिया जो यह बता रही थीं की यहाँ गाडी की गती 15 मीटर प्रति घण्टा होनी चाहिए।”

जैसे इस वाहन चालक को दस चेतावनीचाँ दी गयी थीं, उसी तरह परमेश्वर ने हमारे लिए भी बाइबल में दस चेतावनियाँ दी हैं। इन्हें दस आज्ञाएँ कहा जाता है।

क्या आप ने कभी झूठ बोला, कुछ चुराया, या परमेश्वर का नाम व्यर्थ में लिया? यदी आप मेरी तरह हैं तो जवाब “हाँ” है।

सुनिये की बाइबल क्या कहती है:

- “क्योंकि जो कोई सारी व्यवस्था का पालन करता है परन्तु एक ही बात में चूक जाए तो वह सब बातों में दोषी ठहर चुका है।” याकूब 2:10

परमेश्वर कह रहे हैं की यदी हम एक आज्ञा भी नहीं मानते तो हम पाप कर रहे हैं और सारी आज्ञाओं को तोडने के लिए हमें जवाब देना होगा जिस में व्यभिचार और खून भी शामिल हैं।

- “क्योंकि पाप की मजदूरी तो मृत्यु है।” (हम नरक में डाल दिये जाएंगे क्योंकि उस की उपस्थिती में पाप की जगह नहीं।) रोमियों 6:23

यदी कहानी यहीं पर समाप्त हो जाए तो हमारे लिए कोई उम्मीद नहीं है ...

## 2. अपराधी

एक निरदोश व्यक्ति न्यायधीश के पास जाता है और एक अपराधी के बदले वह स्वयं मरने की सजा झेलना चाहता है। न्यायधीश सहमत हो जाते हैं। अगले दिन न्यायधीश ने अपराधी से कहा की उन्होंने एक निर्णय लिया है।

“एक निरदोश व्यक्ति को तुम्हारे बदले मौत की सजा दी गयी। यदी तुम अपनी सजा के लिये उस के भुगतान को मान लेते हो तो तुम यहाँ से जाने के लिये स्वतंत्र हो। यदी तुम उस के भुगतान को स्विकार नहीं करते, तो तुम्हारे अपराध के लिये तुम्हें मौत की सजा दी जायेगी। तुम क्या चुनना पसन्द करोगे?”

यीशु मसीह जो परमेश्वर का पुत्र है, उन में पाप नहीं था, परन्तु उन्होंने अपनी इच्छा से अपनी जान दी ताकी वह आप के और मेरे पापों का जुर्माना भर सके। (परमेश्वर के अनुसार हमारे पापों की सजा मृत्यु है।) तीन दिन के बाद वह मुर्दा में से जी उठा।

- “परमेश्वर हम पर अपनी प्रेम की भलाई इस रीति से प्रगट करता है कि जब हम पापी ही थे तभी मसीह हमारे लिये मरा।” रोमियों 5:8
- “परमेश्वर का वरदान हमारे प्रभु मसीह यीशु में अनन्त जीवन है।” रोमियों 6:23b

आप के बदले में यीशु की मृत्यु का नतीजा यह है की आप के पास चुनने के लिये दो बातें हैं:

पश्चताप कर के अपने पापों के लिये क्षमा और अनन्त जीवन पायें (अपने पापों को पहचान कर उन से दूर जाने की चाह) और प्रभु यीशु पर विश्वास करना। (प्रेरित 20:21)

या

परमेश्वर की क्षमा और अनन्त जीवन को ठुकरा देना, यीशु के अलावा दूसरों पर भरोसा कर परमेश्वर के समक्ष स्वयं को स्विकृत करना, जिस से परमेश्वर की आज्ञा को तोडने का जुर्माना आप स्वयं भरेंगे।

- “जो पुत्र पर विश्वास करता है, अनन्त जीवन उसका है, परन्तु जो पुत्र को नहीं मानता वह जीवन नहीं देखेगा, परन्तु परमेश्वर का क्रोध उस पर रहता है।” यूहन्ना 3:36

यीशु को जानने का अर्थ यह नहीं की आप यीशु पर विश्वास करते हैं...

## 3. आसमान का कलाबाज

आसमान में कलाबाजी दिखाने वाला हवाई जहाज से कूदते समय अपना विश्वास पैराशूट (छाते) पर रखता है।

यीशु के पीछे चलने वाले उस पर अपना विश्वास, परमेश्वर की आत्मा के द्वारा उन के विचारों और इच्छाओं के बदलाव के द्वारा बताते हैं।

- “इसलिये यदि कोई मसीह में है तो वह नई सृष्टि है, पुरानी बातें बीत गई हैं, देखो सब बातें नई हो गई हैं।” 2 कुरिन्थियों 5:17
- “मैं तुम को नया मन दूँगा और तुम्हारे भीतर नई आत्मा उत्पन्न करूँगा” यहजेकेल 36:26

जैसे की किसी मोटरखाने में केवल जाने से कोई कारीगर नहीं बन जाता, वैसे ही केवल गिरजाघर जाने से आप मसीही नहीं बन जाते।

यदी आप अपने पापों के लिये परमेश्वर की क्षमा और अनन्त जीवन का उपहार पाना चाहते हैं, तो इस तरह की प्रार्थना करें:

“यीशु मैं मानता हूँ की जब आप सलीब पर मरे और मुर्दा में से जी उठे, तो आप ने मेरे पापों का जुर्माना भरा। मैं अपने पापों को छोडना चाहता हूँ और आप को प्रभु मान अपना विश्वास आप पर रखना चाहता हूँ। मैं जीवन भर आप के पीछे चलना चाहता हूँ। अनन्त जीवन के उपहार के लिये आप का धन्यवाद है। आमीन।”

- “जो कोई प्रभु का नाम लेगा वह उद्धार पाएगा।” रोमियों 10:13

यीशु के पीछे सच्चे रूप से चलने वालों की इच्छा है:

- “ताकी तुम्हारा चाल चलन प्रभु के योग्य हो, और वह सब प्रकार से प्रसन्न हो और तुम में हर प्रकार के भले कामों का फल लगे और तुम परमेश्वर की पहचान में बढ़ते जाओ।” कुलिसियों 1:10

<http://www.whoisjesus-really.com/hindi/index.html>

प्रतिदिन बाइबल पढें। ऐसे गिरजाघर जायें जो बाइबल की शिक्षा देता हो। इस लेख को मुफ्त में प्राप्त करें:

[www.Tracts.com/LKHindi.pdf](http://www.Tracts.com/LKHindi.pdf)

## 1. The Driver

A driver was once stopped by a police officer. He was a good driver and as far as he knew he had done nothing wrong.

The police officer said, "I pulled you over because you were going 60 through a school zone. There were ten warning signs that the speed limit was 15 and you ignored them all."

Just like the driver had ten warning signs, God has given us ten clear warning signs in the Bible. They are called the Ten Commandments.

Have you ever told a lie, stolen something or used God's name as a curse word? If you're like me the answer is 'yes'.

Listen to what the Bible says:

- *Whoever keeps the whole law and yet stumbles at just one point is guilty of breaking all of it.* James 2:10

God is saying that by breaking one Commandment we have sinned and will be held accountable for breaking all of them, including adultery and murder.

- *God's judgment for our sin is death.* (Banishment to hell because He will not allow sin in His presence). Romans 6:23a

If the story ends here, there is no hope for us...

## 2. The Convict

An innocent man approached a judge and volunteered to be executed in the place of a convicted murderer. The judge consented. The next day the judge told the convict he had a decision to make.

"An innocent man has been put to death in your place. If you will accept his payment for your crime, you are free to go. If you will not accept his payment, you will be executed for your crime. Which do you choose?"

Jesus Christ, the Son of God, was sinless but voluntarily gave his life to pay the penalty for your sins and mine. (God's judgment for our sin is death). Three days later he rose from the dead.

- *God showed his great love for us by sending Jesus to die for us while we were still sinners.* Romans 5:8
- *The gift of God is eternal life in Christ Jesus our Lord.* Romans 6:23b

As a result of Jesus' death in your place, you have two choices:

Receive both God's pardon for your sins and eternal life by repenting (sensing your sinfulness and desiring to turn from it) and placing your trust in the Lord Jesus. (Acts 20:21)

OR

Reject both God's pardon for your sins and eternal life by trusting in anyone or anything other than Jesus to make you acceptable to God, thus bearing the penalty for breaking God's law yourself.

- *Whoever believes in the Son has eternal life, but whoever rejects the Son of God will not see life, for God's wrath remains on him.* John 3:36

Knowing about Jesus doesn't mean you believe in Jesus...

## 3. The Skydiver

Skydivers demonstrate their belief in their parachutes when they jump from the plane.

Followers of Jesus demonstrate their belief in Him when God's Spirit changes their thoughts and desires.

- *If anyone is in Christ, he is a new creation; the old has gone, the new has come!* 2 Corinthians 5:17
- *God says, "I will give you a new heart and put a new spirit in you."* Ezekiel 36:26

Just as entering a garage won't make you a mechanic, attending a church won't make you a Christian.

If you would like to receive God's pardon for your sins and the gift of eternal life, consider a prayer like this:

"Jesus, I believe you paid the penalty for my sins when you died on the cross and rose from the dead. I want to turn from my sins and place my trust in you as my Lord. I am willing to follow you the rest of my life. Thank you for the gift of eternal life. Amen."

- *Anyone who calls on the name of the Lord will be saved.* Romans 10:13

The desire of real followers of Jesus is to:

- *Live a life worthy of the Lord, pleasing Him in every way, bearing fruit in every good work, and growing in the knowledge of God.* Colossians 1:10

---

**www.On-Tract.com**

Print this message in dozens of languages for free at [www.on-tract.com](http://www.on-tract.com).

Learn more about the Bible's message at [www.looktoJesus.com](http://www.looktoJesus.com)